
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
RIICO
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12th HISTORY
ARJUN BATCH
महात्मा गांधी और
राष्ट्रीय आंदोलन
अध्याय-11 | भाग-4
LIVE | 10 SEP | 4PM

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1922-24

1927 - साईमन

1928 - बारडोली

1929- लाहौर अधि०

1) जवाहरलाल - युवा नेहरू

2) तिरंगा

3) 1930 - 26 जनवरी पूर्ण स्वराज दिवस



11 मांगे

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दाण्डी यात्रा

- गाँधी जी ने घोषणा की कि वे ब्रिटिश सरकार के सर्वाधिक घृणित कानूनों में से एक, जिसने नमक के उत्पादन और विक्रय पर राज्य को एकाधिकार दे दिया है, को तोड़ने के लिए एक यात्रा का नेतृत्व करेंगे।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नमक यात्रा

- साबरमती आश्रम → दाण्डी
- प्रारम्भ 12 मार्च, 1930 → 5 अप्रैल, 1930
- 6 अप्रैल 1930 को नमक कानून तोड़ा और सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारम्भ हो गया।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पूरे देश में अलग-अलग कानूनों का उल्लंघन किया गया।
- किसानों ने दमनकारी औपनिवेशिक वन कानूनों का उल्लंघन किया।
- कुछ कस्बों में फैक्ट्री कामगार हड़ताल पर चले गये।
- वकीलों ने ब्रिटिश अदालतों का बहिष्कार कर दिया।
- विद्यार्थियों ने सरकारी शिक्षा संस्थानों में पढ़ने से इन्कार कर दिया।
- सरकार ने लगभग 60,000 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होने वालों में गाँधी जी भी थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संवाद :-

नमक यात्रा कम से कम तीन कारणों से उल्लेखनीय थी -

1. यही वह पहली घटना थी जिसके चलते महात्मा गांधी दुनिया की नजर में आए।
2. यह पहली राष्ट्रवादी गतिविधि थी जिसमें औरतों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

समाजवादी कार्यकर्ता कमलादेवी चट्टोपाध्याय ने गांधी जी को समझाया कि वे अपने आंदोलनों को पुरूषों तक ही सीमित न रखें ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. नमक यात्रा के कारण ही अंग्रेजों को यह अहसास हुआ था कि अब भारत में उनका राज बहुत दिन तक नहीं टिक सकेगा और उन्हें भारतीयों को भी सत्ता में हिस्सा देना पड़ेगा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. दाण्डी यात्रा ?

Q. सविनय अवज्ञा ?

Q. 'नमक कानून' ?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत

1. असहयोग
2. साईमन ⊖
3. सविनय अवज्ञा

अंग्रेज़

नेता

लन्दन

समान = ✓

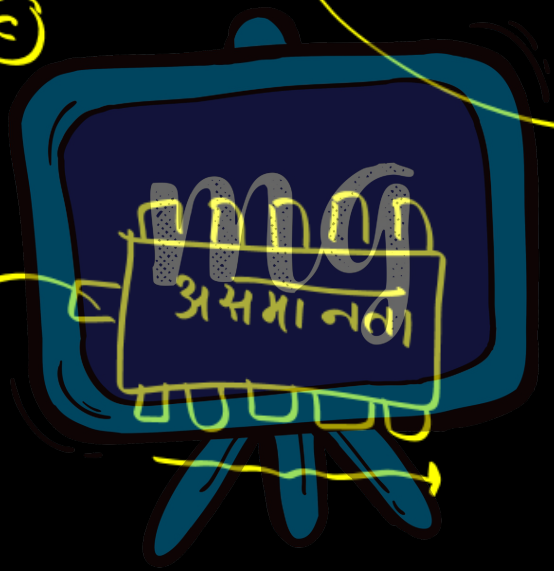

मुख्य

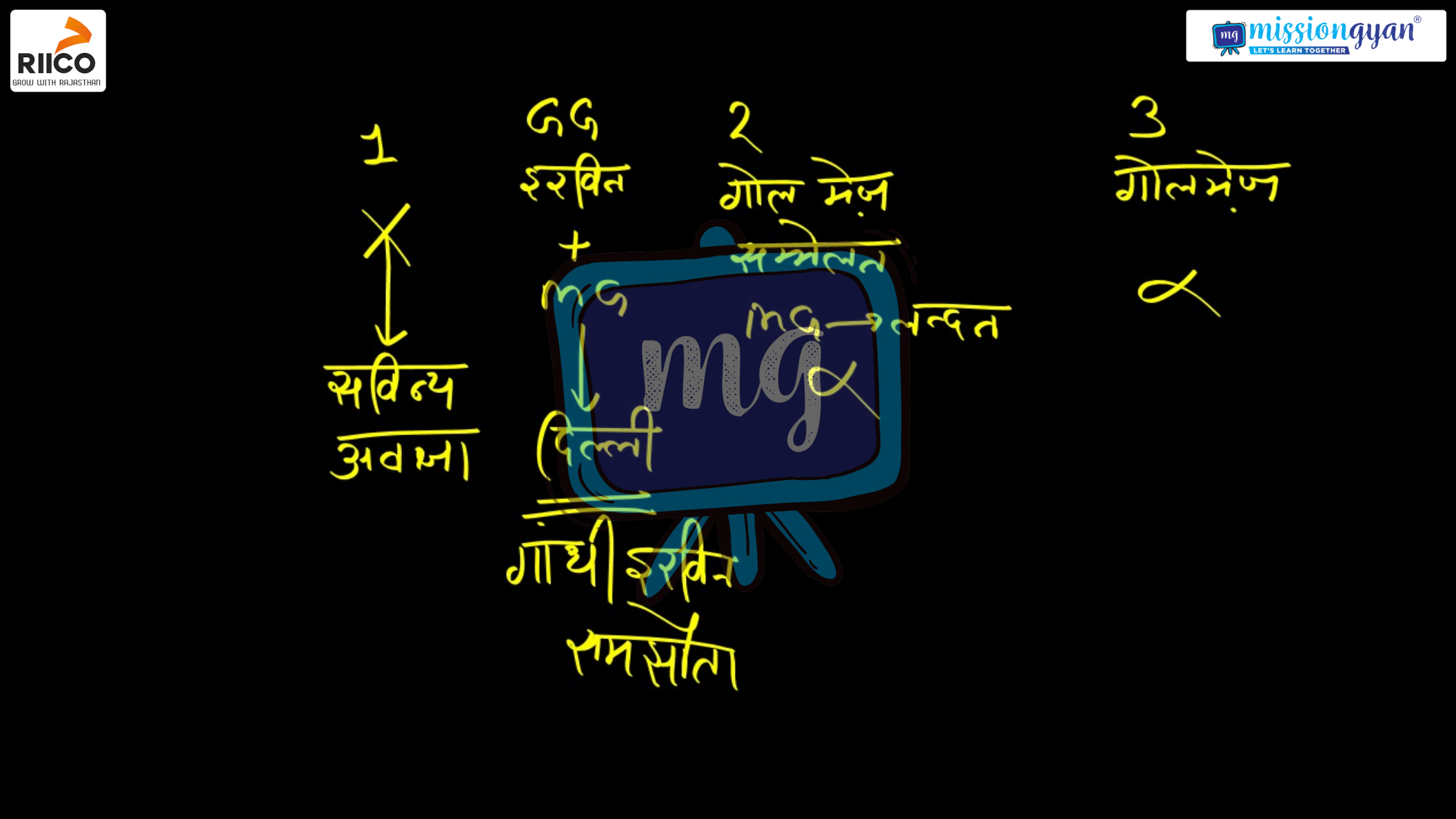
1
सविन्य अवज्ञा
GG इरविन
+
MG
दिल्ली
गांधी इरविन समझौता
2
गोल मेज़ सम्मेलन
MG → लन्दन
3
गोलमेज़
∝

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

गोलमेज सम्मेलन :-

- ब्रिटिश सरकार ने लंदन में ''गोलमेज सम्मेलनों'' का आयोजन किया।
- उद्देश्य - भारतीयों से संवाद स्थापित करना और भारतीयों को सत्ता में कुछ हिस्सेदारी देना।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रथम गोलमेज सम्मेलन – नवम्बर, 1930

(लंदन)

- प्रथम गोलमेज सम्मेलन में देश के प्रमुख नेता शामिल नहीं हुए। अंततः यह बैठक निरर्थक साबित हुई।
- जनवरी, 1931 में गांधी जी को जेल से रिहा किया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गांधी – इर्विन समझौता – 5 मार्च, 1931

शर्तें :–

1. सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस लेना।
2. सारे कैदियों की रिहाई और तटीय इलाकों में नमक उत्पादन की अनुमति देना।
3. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन – 1931



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इस सम्मेलन में गाँधी जी ने कांग्रेस का नेतृत्व किया।
- मुस्लिम लीग ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व का दावा किया।
- राजे-रजवाड़ों ने अपने हितों को ध्यान में रखकर भाग लिया।
- तीसरी चुनौती तेज-तर्रार वकील और विचारक बी.आर.अम्बेडकर की तरफ से थी।

निचली जातियों का प्रतिनिधित्व किया।

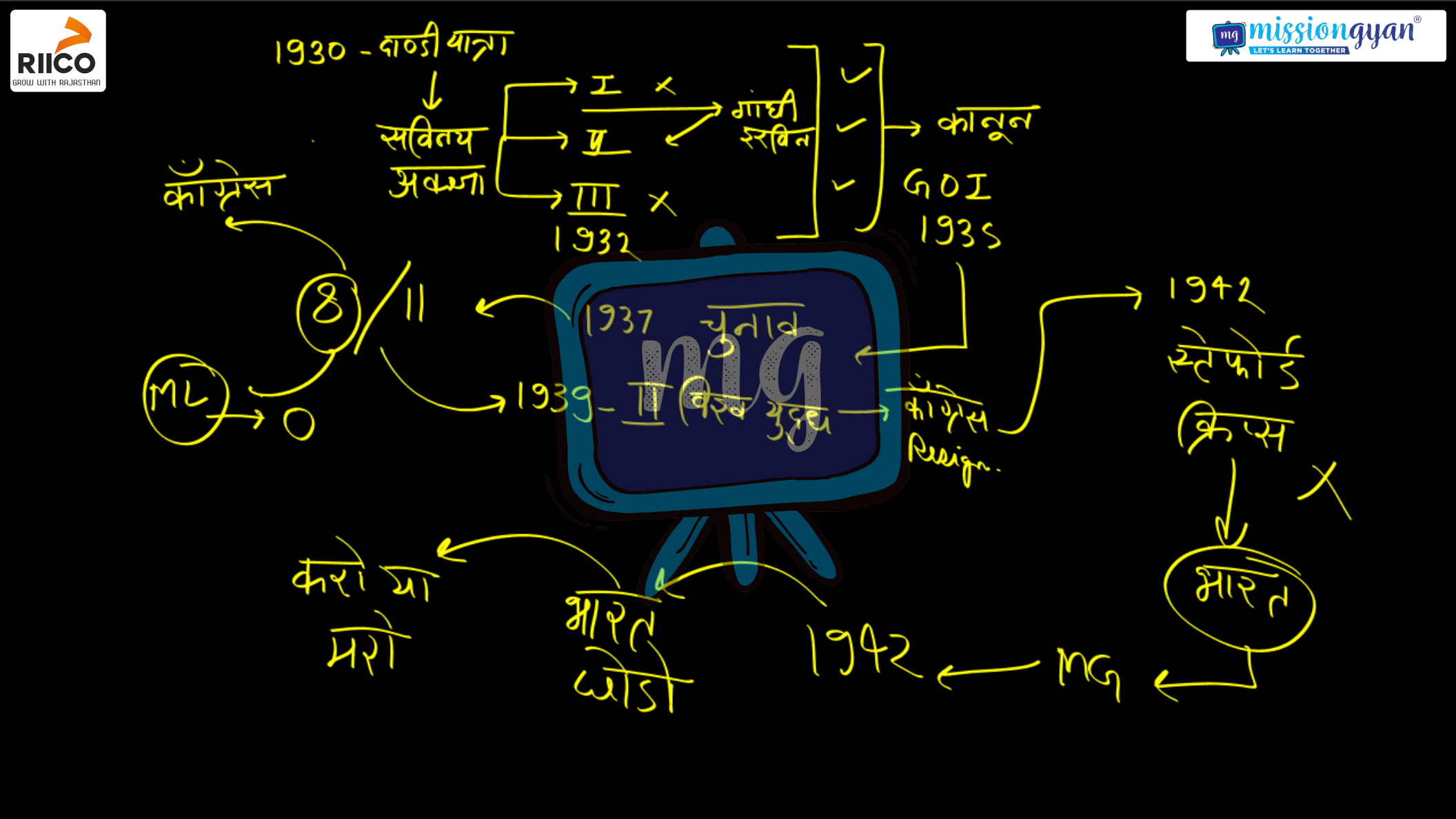
1930 - दांडी यात्रा
सविनय अवज्ञा
I ×
II
III ×
1932
गांधी इरविन
कानून
GOI 1935
कॉंग्रेस
8/11
1937 चुनाव
ML
0
1939 - II विश्व युद्ध
कांग्रेस Resign.
1942
स्टेफोर्ड क्रिप्स
×
भारत
करो या मरो
भारत छोड़ो
1942
MG

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बी.आर. अम्बेडकर ने ''निम्न जातियों'' (दलितों) के लिए पृथक निर्वाचक मण्डल की मांग रखी।
- गाँधी जी ने इस मांग का विरोध किया।
- क्यों – उनका मानना था कि ऐसा करने पर समाज की मुख्यधारा में उनका एकीकरण नहीं हो पाएगा और वे सवर्ण हिन्दुओं से हमेशा के लिए अलग रह जाएंगे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तृतीय गोलमेज सम्मेलन – 1932

- 1935 के नए गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट में सीमित प्रतिनिधिक शासन व्यवस्था का आश्वासन व्यक्त किया गया।
- सीमित मताधिकार के आधार पर हुए चुनावों में – 11 प्रान्तों में से 8 प्रान्तों में कांग्रेस सरकार बनी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ML. v/s कॉ v/s ब्रिटिश

सितम्बर, 1939 में दूसरा विश्वयुद्ध शुरू हो गया –

- कांग्रेस मंत्रिमंडलों ने अक्टूबर 1939 में इस्तीफा दे दिया।
- मार्च, 1940 में मुस्लिम लीग ने उपमहाद्वीप के मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्ता की मांग का प्रस्ताव पेश किया।

अब संघर्ष – कांग्रेस Vs मुस्लिम लीग Vs ब्रिटिश शासन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

क्रिप्स प्रस्ताव – 1942

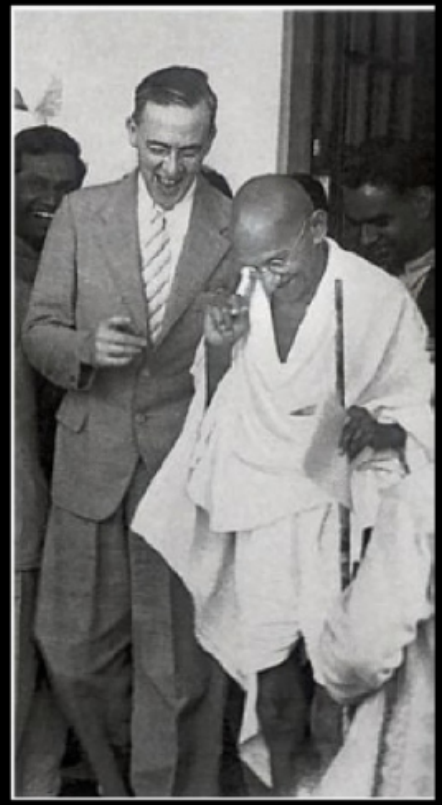

Q. गोलमेज़ सम्मेलन ?

Q. गाँधी इरविन समझौता ?

Q. क्रिप्स मिशन

Q. कांग्रेस की प्रांतीय सरकारों ने 1939 में इस्तीफा क्यों दिया ?

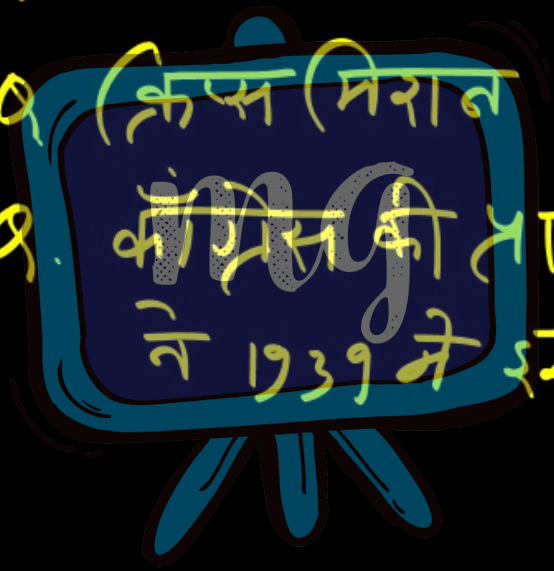

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- क्रिप्स मिशन (1942) की विफलता के बाद महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश भारत के खिलाफ अपना तीसरा बड़ा आंदोलन छेड़ने का फैसला किया।
- अगस्त, 1942 में शुरू हुए इस आंदोलन को 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' (अगस्त क्रान्ति) का नाम दिया गया।

1942 भारत छोड़ो
करो या मरो

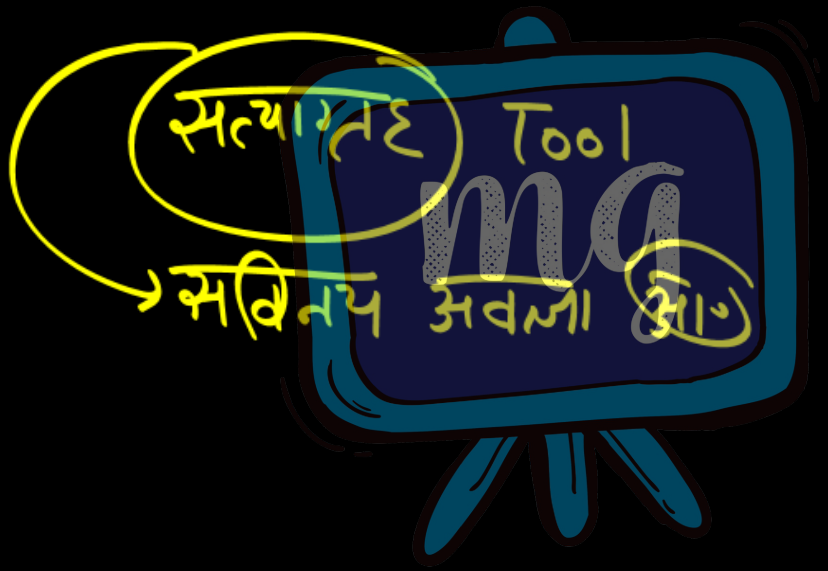

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन – 1942

प्रारम्भ – अगस्त, 1942

बम्बई के ग्वालियर टैंक मैदान

- गांधी जी ने ''करो या मरो'' का नारा दिया।
- गाँधी जी और अन्य कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।
- देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे।
- जयप्रकाश नारायण (समाजवादी कांग्रेस नेता) ने भूमिगत रहकर यह आंदोलन चलाया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पश्चिम में सतारा और पूर्व में मदिनीपुर जैसे कई जिलों में ''स्वतंत्र सरकार'' (प्रतिसरकार) की स्थापना कर दी गयी थी।
- अंग्रेजों ने आंदोलन के प्रति काफी सख्त रवैया अपनाया, फिर भी इस विद्रोह को दबाने में सरकार को साल भर से ज्यादा समय लग गया।
- भारत छोड़ो आंदोलन, सही मायने में एक जन आंदोलन था जिसमें लाखों आम हिंदुस्तानी शामिल थे।
- युवाओं ने अपने कॉलेज छोड़कर जेल का रास्ता अपनाया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग इस आंदोलन से अलग रही।
- लीग पृथक पाकिस्तान की मांग कर रही थी।
- 1944 ई. में गांधी जी को जेल से रिहा कर दिया गया।
- गाँधी जी ने कांग्रेस और लीग के बीच फासले को पाटने के लिए जिन्ना के साथ कई बार बात की।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 1945 ई. में ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी।
- प्रधानमंत्री – क्लीमेंट ऐटली
- यह सरकार भारतीय स्वतंत्रता के पक्ष में थी।
- वायसराय लॉर्ड वेवेल ने कांग्रेस और मुस्लिम लीग के प्रतिनिधियों के बीच कई बैठकों का आयोजन किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1946 ई. की शुरूआत में प्रांतीय विधान मंडलों के लिए नए सिरे से चुनाव कराये गये।
- सामान्य श्रेणी की सीटों पर कांग्रेस को भारी सफलता मिली।
- मुसलमानों के लिए आरक्षित सीटों पर मुस्लिम लीग को भारी बहुमत प्राप्त हुआ।
- अत: राजनीतिक ध्रुवीकरण पूरा हो चुका था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कैबिनेट मिशन

- 1946 की गर्मियों में कैबिनेट मिशन भारत आया।
- इस मिशन ने कांग्रेस और मुस्लिम लीग को एक ऐसी संघीय व्यवस्था पर राजी करने का प्रयास किया जिसमें भारत के भीतर विभिन्न प्रांतों को सीमित स्वायत्ता दी जा सकती थी।
- यह वार्ता भी विफल रही।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मोहम्मद अली जिन्ना ने लीग की पाकिस्तान की मांग के समर्थन में ''प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस'' का आह्वान किया।
- 16 अगस्त, 1946 लीग के द्वारा प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस मनाया गया।
- पूरे भारत में साम्प्रदायिक दंगे शुरू हो गये।
- हिंसा कलकत्ता से शुरू होकर ग्रामीण बंगाल, बिहार और संयुक्त प्रान्त व पंजाब तक फैल गयी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- फरवरी, 1947 में लॉर्ड वेवेल की जगह लॉर्ड माउंटबेटन को वायसराय नियुक्त किया गया।
- माउंट बेटन ने वार्ताओं के अंतिम दौर का आह्वान किया।
- लेकिन सुलह के सभी प्रयास विफल रहे।
- अंत में उन्होंने घोषणा की कि ब्रिटिश भारत को स्वतंत्रता दे दी जायेगी लेकिन उसका विभाजन भी होगा।
- औपचारिक सत्ता हस्तांतरण के लिए 15 अगस्त, का दिन नियत किया गया।

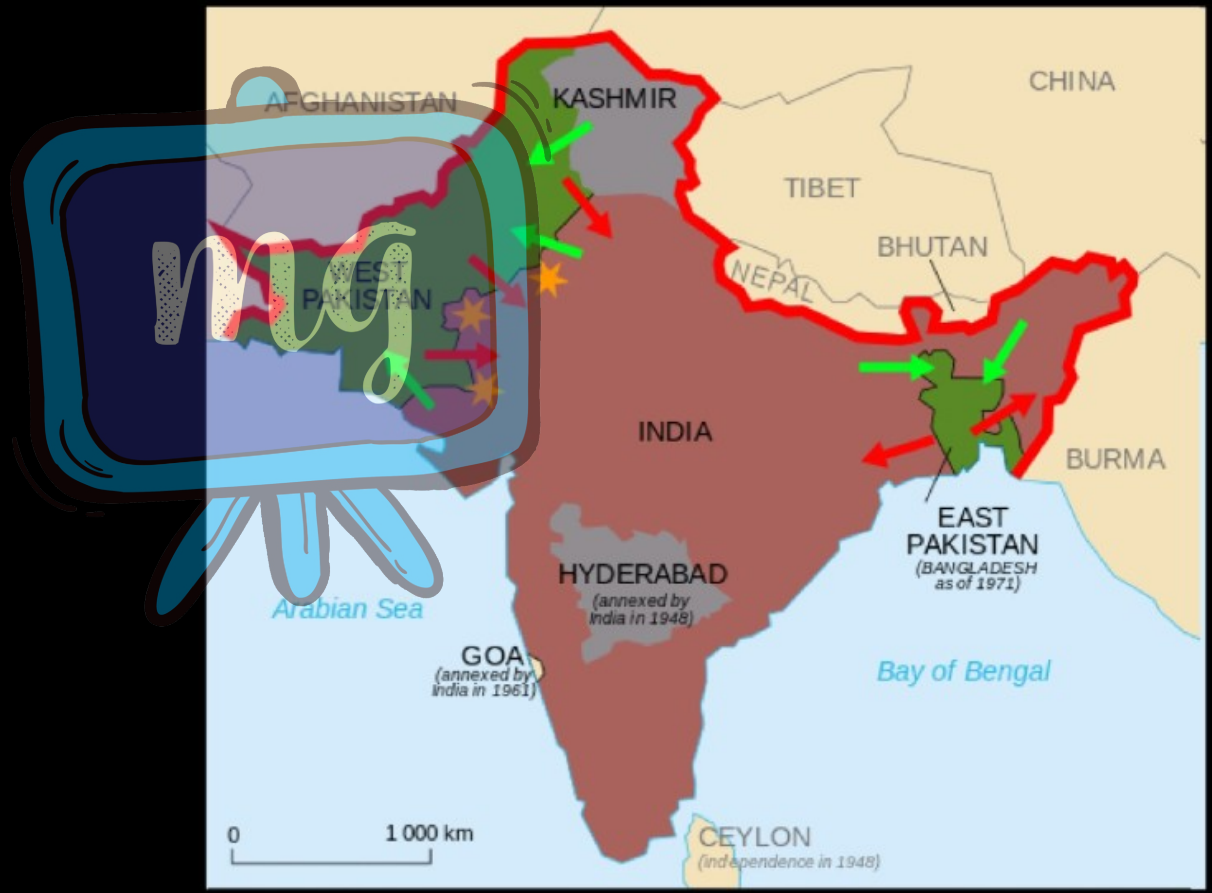
AFGHANISTAN
KASHMIR
CHINA
TIBET
BHUTAN
NEPAL
EAST PAKISTAN
INDIA
BURMA
EAST PAKISTAN
(BANGLADESH as of 1971)
HYDERABAD
(annexed by India in 1948)
Arabian Sea
GOA
(annexed by India in 1961)
Bay of Bengal
0
1 000 km
CEYLON
(independence in 1948)




© picture alliance/dpa/United Archives/WHA


LIFE

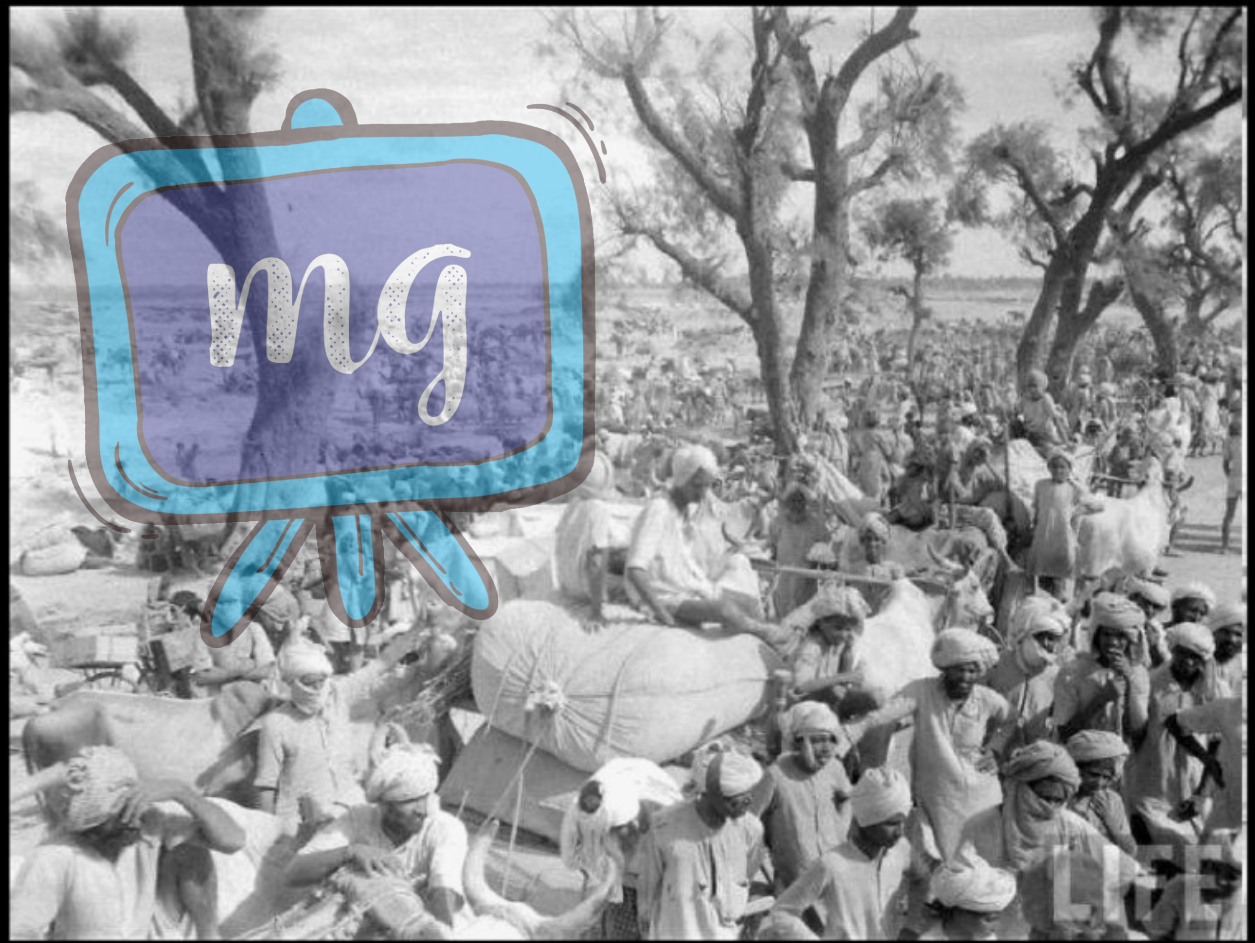

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 15 अगस्त, 1947 को राजधानी में हो रहे उत्सवों में महात्मा गाँधी शामिल नहीं थे। वे कलकत्ता में थे।
- गांधी जी उस दिन 24 घंटे के उपवास पर थे।
- उन्होंने इतने दिन तक जिस स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया था वह एक अकल्पनीय कीमत पर उन्हें मिली थी।
- उनका राष्ट्र विभाजित था : हिन्दू-मुसलमान एक दूसरे की गर्दन पर सवार थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उनके जीवनी लेखक डी. जी. तेंदुलकर ने लिखा है कि सितंबर और अक्टूबर के दौरान गाँधी जी ''पीड़ितों को सांत्वना देते हुए अस्पतालों और शरणार्थी शिविरों के चक्कर लगा रहे थे।'' उन्होंने ''सिखों, हिंदुओं और मुसलमानों से आह्वान किया कि वे अतीत को भुला कर अपनी पीड़ा पर ध्यान देने की बजाय एक दूसरे के प्रति भाईचारे का हाथ बढ़ाने तथा शांति से रहने का संकल्प लें....''

- कांग्रेस ने ''दो राष्ट्र सिद्धांत'' को कभी स्वीकार नहीं किया था। लेकिन अपनी इच्छा के विरूद्ध बंटवारे पर मंजूरी देनी पड़ी।

- गांधी जी और नेहरू के आग्रह पर कांग्रेस ने ''अल्पसंख्यकों के अधिकारों'' पर एक प्रस्ताव पारित कर दिया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

''भारत बहुत सारे धर्मों और बहुत सारी नस्लों का देश है और उसे ऐसे ही बनाए रखा जाना चाहिए।'' पाकिस्तान में हालात जो रहें, भारत ''एक लोकतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र होगा जहां सभी नागरिकों को पूर्ण अधिकार प्राप्त होंगे तथा धर्म के आधार पर भेदभाव के बिना सभी को राज्य की ओर से संरक्षण का अधिकार होगा।'' कांग्रेस ने आश्वासन दिया कि ''वह अल्पसंख्यकों के नागरिक अधिकारों के किसी भी अतिक्रमण के विरूद्ध हर मुमकिन रक्षा करेंगे।''

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- गाँधी जी लगातार बंगाल में हिंसा ग्रस्त क्षेत्रों के दौरे कर रहे थे। कई स्थानों पर गांधी जी पर हमले भी हुए। लेकिन वे अविचलित अपना काम करते रहे।
- गाँधी जी ने स्वतंत्र और अखण्ड भारत के लिए जीवन भर युद्ध लड़ा। फिर भी, जब देश विभाजित हो गया तो उनकी यही इच्छा थी कि दोनों देश एक-दूसरे के साथ सम्मान और दोस्ती के संबंध बनाए रखें।
- गाँधी जी को विश्वास था कि ''बुरी घड़ी बीत चुकी है'' भारत के लोग अब ''सभी वर्गों और धर्मों की समानता'' के लिए काम करेंगे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने यह आशा भी जतायी कि यद्यपि भौगोलिक और राजनीतिक रूप से भारत दो भागों में बंट चुका है लेकिन हृदय से हम सभी सदैव मित्र एवं भाई रहेंगे।
- बहुत सारे भारतीयों को उनका यह सहृदय आचरण पसंद नहीं था।
- 30 जनवरी, 1948 की शाम को गाँधी जी की दैनिक प्रार्थना सभा में एक युवक (नाथुराम गोडसे) ने उनको गोली मारकर मौत की नींद सुला दिया।

- पुणें का रहने वाला गोडसे एक चरमपंथी हिंदुत्ववादी अखबार का संपादक था।
- वह गांधी जी को ''मुसलमानों का खुशामदी'' कहकर उनकी निंदा करता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

काल रेखा

1915	महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से लौटते हैं।
1917	चंपारन आंदोलन
1918	खेड़ा (गुजरात) में किसान आंदोलन तथा अहमदाबाद में मजदूर आंदोलन
1919	रॉलेट सत्याग्रह (मार्च-अप्रैल)
1919	जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड (अप्रैल)
1921	असहयोग आंदोलन और खिलाफत आंदोलन
1928	बारदोली में किसान आंदोलन
1929	लाहौर अधिवेशन (दिसंबर) में ''पूर्ण स्वराज'' को क्रांग्रेस का लक्ष्य घोषित किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1930	सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू, दांडी यात्रा (मार्च–अप्रैल)
1931	गाँधी इर्विन समझौता (मार्च), दूसरा गोलमेज सम्मेलन (दिसंबर)
1935	गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट में सीमित प्रातिनिधिक सरकार के गठन का आवश्वासन
1939	कांग्रेस मंत्रिमंडलों का त्यागपत्र
1942	भारत छोड़ों आंदोलन शुरू (अगस्त)
1946	महात्मा गाँधी साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए नोआखली तथा अन्य हिंसाग्रस्त इलाकों का दौरा करते हैं।